

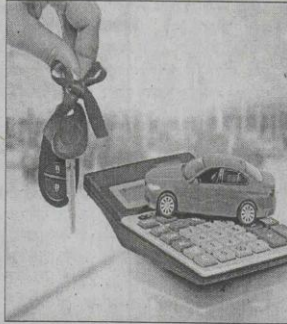
| Article Date | Headline / Summary                                  | Publication        |
|--------------|-----------------------------------------------------|--------------------|
| 09 Oct 2026  | Should the insurance for an old car be low or high? | Shah Times (Hindi) |

# पुरानी कार के लिए इंश्योरेंस कम होना चाहिए या ज्यादा!

पर रखने वाले कई लोग मानते हैं कि जैसे-जैसे उनका वाहन पुराना होता जाता है, उसके लिए इंश्योरेंस की आवश्यकता अपने आप कम होती जाती है। हालांकि कार की आयु बढ़ने के साथ इंश्योरेंस का प्रीमियम अक्सर कम हो जाता है, लेकिन इसके पीछे सही राशि केवल कार के निर्माण वर्ष पर निर्भर नहीं करता। गाड़ी का इस्तेमाल कितनी बार होता है, उसे कहाँ चलाया या पार्क किया जाता है, मालिक की आर्थिक जरूरतें क्या हैं और वह अपनी गाड़ी को कितनी सुरक्षा चाहता है, इन सभी बातों की इंश्योरेंस कवरज तय करने में अहम भूमिका होती है। अच्छी खबर यह है कि पुरानी कार के मालिकों के पास अपने लिए कई इंश्योरेंस विकल्प होते हैं। समय के साथ इंश्योरेंस की जरूरतें कैसे बदलती हैं, यह जानकर वे ऐसा कवरज चुन सकते हैं, जो बजट में भी और गाड़ी को पर्याप्त सुरक्षा भी दे।

कार की आयु और इंश्योरेंस को कैसे प्रभावित करता है

जैसे-जैसे कार पुरानी होती जाती है, उसकी कीमत में गिरावट होती जाती है, क्योंकि समय के साथ उसकी वैल्यू घटती रहती है। इसका असर इंश्योरेंस डिक्लेयरड वैल्यू (आईडीवी) पर पड़ता है, यानी वह राशि जो इंश्योरेंस कंपनी गाड़ी पूरी तरह खराब होने या चोरी होने की स्थिति में आपको दे सकती है। क्योंकि आईडीवी का साथ कम हो जाता है, इसलिए इंश्योरेंस प्रीमियम भी कम हो सकता है। हालांकि, इंश्योरेंस सिर्फ गाड़ी की मार्केट वैल्यू पर ही निर्भर नहीं करता। यह दुर्घटना, चोरी, प्राकृतिक आपदाओं और थर्ड-पार्टी से



जुड़ी जिम्मेदारियों के कारण अचानक होने वाले खर्चों से भी सुरक्षा देता है। इसलिए, इंश्योरेंस कवरज का फ़ैसला सिर्फ गाड़ी की आयु के मुताबिक नहीं, बल्कि अपनी जरूरतों और संभावित जोखिमों को ध्यान में रखकर करना चाहिए।

**पुरानी कारों के लिए इंश्योरेंस क्यों महत्वपूर्ण है**

कई साल पुरानी होने के बाद भी कार रोजमर्रा की जिंदगी का एक अहम हिस्सा बनी रहती है। चाहे कार का इस्तेमाल रोज ऑफिस आने-जाने, परिवार के साथ घूमने या कभी-कभार यात्रा करने के लिए होता हो, सही इंश्योरेंस कवरज होने से अचानक आने वाले बड़े खर्चों की चिंता कम हो जाती है।

**दुर्घटना से होने वाले नुकसान से सुरक्षा**

सड़क पर दुर्घटना या अचानक कोई अनहोनी कभी भी हो सकती है, फिर चाहे गाड़ी कितनी भी पुरानी क्यों न हो। कॉम्प्रेहेंसिव इंश्योरेंस दुर्घटना, टक्कर, आग, प्राकृतिक आपदाओं और पॉलिसी में शामिल अन्य घटनाओं से होने वाले नुकसान को कवर करता है। इससे गाड़ी के मालिकों को मरम्मत के खर्च को बेहतर तरीके से संभालने में मदद मिलती है।

## चोरी से सुरक्षा

कई साल पुरानी होने के बाद भी कार एक कीमती संपत्ति होती है। पैकेज पॉलिसी में गाड़ी चोरी होने की स्थिति में आर्थिक सुरक्षा मिलती है, जिससे चोरी के कारण होने वाले बड़े आर्थिक नुकसान का बोझ कुछ कम हो सकता है।

## थर्ड-पार्टी देयता से सुरक्षा

भारत में सभी वाहनों के लिए थर्ड-पार्टी कार इंश्योरेंस अनिवार्य है। यह थर्ड पार्टी को लगी चोटों, मृत्यु या प्रॉपर्टी के नुकसान से जुड़ी कानूनी और फ़ाइनेंशियल देयताओं को कवर करता है। कॉम्प्रेहेंसिव इंश्योरेंस में इंश्योरिड वाहन के लिए सुरक्षा प्रदान करते समय इस अनिवार्य कवर को शामिल किया जाता है।

## गाड़ी चलाने समय अधिक आत्मविश्वास

पर्याप्त इंश्योरेंस कवरज होने से गाड़ी चलाने समय

मन में ज्यादा आत्मविश्वास रहता है। चाहे आप शहर की व्यस्त सड़कों पर गाड़ी चला रहे हों या लंबी दूरी का सफ़र कर रहे हों, इंश्योरेंस आपको कई तरह के संभावित जोखिमों से सुरक्षा देता है।

**पुरानी कारों के लिए इंश्योरेंस विकल्पों को समझें**

थर्ड-पार्टी इंश्योरेंस थर्ड-पार्टी इंश्योरेंस वाहन के स्वामित्व के लिए कानूनी आवश्यकता को पूरा करता है। यह किसी दूसरे व्यक्ति को चोट लगने, उसकी मृत्यु होने या उसके वाहन अथवा संपत्ति को नुकसान पहुंचाने पर होने वाली कानूनी और आर्थिक जिम्मेदारियों को कवर करता है।

## कॉम्प्रेहेंसिव इंश्योरेंस

कॉम्प्रेहेंसिव इंश्योरेंस में थर्ड-पार्टी लायबिलिटी कवरज के साथ आपको अपनी गाड़ी को भी दुर्घटना, चोरी, आग और प्राकृतिक आपदाओं जैसे जोखिमों से सुरक्षा मिलती है। भले ही इसे आमतौर पर नई गाड़ियों के साथ जोड़ा जाता है, लेकिन यह पुरानी कारों के लिए भी एक बेहतरीन विकल्प हो सकता है, क्योंकि वे नियमित रूप से चलती हैं, अच्छी स्थिति में हों, किसी खास जगह के जोखिमों के दायरे में आती हों या आपके मन के करीब हों। सिर्फ थर्ड-पार्टी इंश्योरेंस के मुकाबले यह आपको और भी ज्यादा सुरक्षा देता है, जिससे अचानक आने वाले खर्चों से बचने में काफी मदद मिलती है। इनमें से कौन सा विकल्प चुनना है, यह इस बात पर निर्भर करता है कि आप गाड़ी का इस्तेमाल कैसे करते हैं, आपका बजट कितना है और आप गाड़ी के लिए कितनी सुरक्षा चाहते हैं।

कवरज चुनने से पहले इन कारकों पर विचार करें

## यकैय मौल

पुरानी कार भी हमारे लिए एक कीमती चीज होती है, इसलिए सड़क पर आने वाली हर तरह की अनहोनी या दिक्कतों से बचने के लिए इसे भी अच्छी सुरक्षा की जरूरत होती है। गाड़ी की इंश्योरिड वैल्यू समय के साथ भले ही कम हो जाए, लेकिन दुर्घटना, चोरी, प्राकृतिक आपदाओं और थर्ड-पार्टी देयताओं का खतरा हमेशा बना रहता है। कॉम्प्रेहेंसिव इंश्योरेंस लेने से आपको पैसों के मामले में पूरी सुरक्षा मिल जाती है और गाड़ी के साथ अचानक होने वाले किसी भी नुकसान का खर्च उठाने में आसानी होती है। पुरानी कार के लिए इंश्योरेंस चुनते समय यह देखना फायदेमंद रहता है कि पॉलिसी कुल मिलाकर आपको कितनी सुरक्षा दे रही है। कॉम्प्रेहेंसिव कवर के साथ-साथ सही एड-ऑन कवर लेने से सुरक्षा का दायरा और बढ़ जाता है, जिससे कार मालिक अपनी जरूरत के हिसाब से पूरी सुरक्षा पा सकते हैं। जो लोग गाड़ी के इस्तेमाल के हिसाब से प्रीमियम में थोड़ा छूट चाहते हैं, उनके लिए इंश्योरेंस कंपनियां पे-एज-यू-ड्राइव या (ड्राइव-वेस्ट) (इस्तेमाल पर आधारित) प्लान का विकल्प भी देती हैं। अलग-अलग फीचर्स और फायदों की अच्छे से समीक्षा करके कार मालिक ऐसा प्लान चुन सकते हैं जो उन्हें सही सुरक्षा दे और बिना किसी चिंता के बेफ़िक्र होकर सफ़र करने में मदद करे।

(लेखक वज्जल जनरल इंश्योरेंस में चीफ डिस्ट्रीब्यूशन ऑफिसर-रिटेल विजनेस हैं)